कइसे करव तोर बिदाई

बिदाई जस गीत

ऐ वो जगत के,जननी वोजननी वो...माँ...॥
कइसे करव तोर बिदाई ॥
तही बता महामाई..... ऐ वो जगत के

आखि के आघू म देखेव मैं जावत वो ॥
बिदा के बेरा म गुनत रोवत रहिगेव वो ॥
होगे न मोर बर करलाई ॥
तहि बता महामाई..... ऐ वो जगत के

नव दिन भक्ति म,मैं बुड़े रहेव वो
देखते देखत म,तोला खोजत रहिगेव वो
मिलबे गौतम ला अउ कब दाई ॥
तहि बता महामाई..... ऐ वो जगत के

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/35366/title/ae-wo-jagat-ke-janni-maa-kaise-kava-tor-bidayi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |